राजीय सन्द गोशित गांशित 1100 (1100) TO - 41 XXXX (C) CONT) JOH

Wat B

आहरण वितरण अधिकारी/अनुभाग अधिकारी, गापः अनुभाग उत्तरखण्ड शासन, दहरादृन।

भाषा विभाग

वेहरादूनः विस्थाक स्था फकाला स्थाप

विषयः वाल् वित्तीय वर्ष 2010--11 के आय-व्ययक के आयाजनागत पक्ष में प्राविधानित धनलाह अधमुण्ड किल् जाने के सम्बन्ध में।

भुझीदय,

्यण्युक्त विषयक प्रभारी निदेशक, उत्तराखण्ड भाषा संस्थान के पत्रांकः उत्भावभंगिकती अह रक्ष्म १८०० । दिनांक १०-०२-२०११ के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि आलंग्य चित्रीय को २०१० । के आय-व्यवक में उत्तराखण्ड भाषा संस्थान के आयोजनागत मद में होंच परियोजनाओं का अनुदान १५ मुद्र मुद्र अख्या १० अख्या अनुदान अश्वान शर्मां सहायता के लिए प्राविधानित व्यवस्थि अपये २००० हर्मां के सामक के सामक कि २००० लाख (रु० बीस लाख मात्र) की धनगरि निम्नांकित विवरण / प्रतिबन्धा के सामक कि सामक के सामक करने हुए त्याय किये जाने की श्री राज्यपील सहमें स्वीकृति प्रदान करते हैं.

- (१) स्वीकृत धनराशि का आहरण एवं वितरण संबंधी कार्य यथा आवश्यकसानुसार अवस्थ वितरण अधिकारी/अनुभाग अधिकारी, भाषा अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन, सचिवालय परिसर, वहरादुन हारा भियमानुसार विकास संध्याम ।
- (2) विभागीय आहरण-वितरण अधिकारी द्वारा रवीकृत धनराणि का आहरण लग्ने किया अध्यमः चार्चक गत वित्तीय को/वर्तमान वित्तीय वर्ष में स्वीकृत धनराणि भा नियमानुसार उपनार कर विका एमा है, १७४०, कोई वे। धनराणि अवशेष न हो।
 - (3) इस अनुदान का उपयोग शासन द्वारा स्वीकृत योजनाओं / गर्दी पर ही किया जायेगा।
- (4) उक्त धनराशि के व्यय में वित्त विभाग के शासनादेश रांठ 187(1)/XXII(1)/2010. विनाक 30-3 2010 का कड़ाई से अनुपालन किया आय।
- (5) आहरण—वितरण अधिकारी दक्षा लक्त धनराणि आहरित कर विदेशक, उन्तराखण्ड जाम करणान वेहरादून के पीठएलठए७ के जमा की जायेगी।
- 2- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2010-11 के आय-व्ययक के अनुदान सहया-11 के अधीन लेखाशोर्षक 2202-सामान्य शिक्षा-05-भाषा विकास-102-आधुनिक भारतीय भाषाओं व्यय साहित्य का अधीन लेखाशोर्षक 2002-सामान्य शिक्षा-05-भाषा विकास-102-आधुनिक भारतीय भाषाओं व्यय साहित्य का अधीन (लघु शीर्षक 104 के स्थान पर) -00-आयोजनामत-08-शाघ परियोजनाओं का अनुदान-20-स्थान अधुदान/अश्वान रेसल सहायक के नाम डाला आरोगा।

pulling 7

The first than in admending than 1990 P. NAVIRGO (2010 Manual 17 Property of the first of the fi

(trotte are)

र्वस्याः 100 (1)/XXXIX-07(पजट)/2011, गरविनाक

प्रतिविधि निम्नलिखित को सूबनाई एवं आवश्यक कार्वकर्त वर्त प्रति

- वः विवासकार वासराज्याचा आविराय विकित्य मानस एउएकर
- र विभिन्न क्रांपाधिकारी, कंन्द्रीयकृत लेखा एवं भूगतान क्रांपालय सचिवल्य परिसर राज्यसम्बद्धाः
- ्री । । । जास निवंशक उत्तराखण्ड भाग सरथान उहरादन।
- 4- तिन्त अनुमाग 5, 'नियोजन तिभाग, जतग्राराण्य भागन।
- ५ वटन राजकाषीय, नियाजन एवं संस्थान साववालय वस्त्रदून:
- विभागाण भारत प्रितकः ।

The table